

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

रुद्राविन्द्याय नमः श्रुय न रुद्रायां दय नः श्रुद्रु रुद्रु व म द नः रुद्रा म न र्दिका ॥ रुद्रा म रुद्रा ॥ श्रुय न
 रुद्रु रुद्रु व रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु व रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ नाग रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा
 मा रुद्रा य न नाग रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रा म न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु
 न रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ यथाग रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ विरूपाक्षाय
 रुद्रा ॥ यः ला रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा
 रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा
 रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा ॥ रुद्रु रुद्रु रुद्रा य न न म रुद्रा

[illegible]

य स्वाहा॥ के मास्यर्वक माजाय स्वाहा॥ दिव्य रयि निय स्वाहा॥ यं माः सु॥ ॐ माः
 बुकाः क कालविजगंरु वाः स्वायश्वा विदुषा गच्छ नमो कं वृष वाहनि॥ वशि॥ ॐ किं निलोड
 कर्षी कामध्या नयदुः सुयारुदः उद्व कं म विरया कृया नायः वृहद्दल नृदहि महावशि य
 किं कृद् १ रुने १ दद १ यवे १ ख १ यादि १ रुज १ विघ्नहे न व नृय ना वशि य किः शुक्र १ हं रुद
 स्वाहा॥ ॐ ॥ १ ॥ शुभकमना॥ ॐ विदुर्कं म कि दकं वे उ य कि उ य मा रि नः कामा ल्या वर
 निद विधान यूर्यं न मा सु कं॥ या ॥ ॐ ॐ श्री हूं रुद रुद हा ष विघ्न ना ष य हूं रुद रुद स्वाहा॥ ध
 मा ॥ ॐ कामा रि उ मा मा क शुभक र शि य हूं रुद स्वाहा॥ ध्या ॥ ॐ कामा रि

कश्चिन्निर्गुणः प्रदुर्गुणः जगत्तुल्यः दैविकः सत्त्विकः रजसुः शिवः कामः क्रोधः आदि इत्यादि
 यतः धीकैः कुरु वृथा निगमय नमस्तुभ्यं ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

यच्च १ स्व १ स्वादि १ रुज १ विषये न व नूय न व नित्य कि गृह १ हूं हृ हृ स्वाहा ॥ ॐ ॥ नैव
 क म न्या ॥ ग ज अ कं वृ कं वि इं य स या क म कं ह वं हूं वे कु द्या वा रु ना द विः आ न य स्यं न मा रु न
 या ॥ ॐ ॐ ह्रीं ह्रीं जय कि वि घ्न ता सा य हूं हृ हृ स्वाहा ॥ धूय ॥ इं ह वि कु वि भा कः श्रु व न ले १
 मि घ क नूं हूं हृ हृ स्वाहा ॥ आ ॥ वि कु वि स्या म व त्वा नांः पू क म स्या मि नि नं ग अ रु रु जा त्या दि
 य नू यि तिः दि द्या रु न न रु स्व निः म न रु जा त्यां वि द्या रुंः श्रु य न रु जा त्यां द य नः ग य व क य
 आ र तिः ग नू द ध न स र्दि ता ॥ ह्व रु ह्व रु य स्या ता ॥ इं ह हृ हृ वि कु वि य न म स्वा हा ॥ व रु शि
 दा द स्यां कि धि य न म स्वा हा ॥ इं वृ द्ध वा क लें न म स्वा हा ॥ दि य नू यि ति य न म स्वा हा ॥ य नू ज

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दशमस्तोत्रम् ॥ वायुं वंदे नमः स्वाहा ॥ सिद्धिं नाथाय नमः स्वाहा ॥ यमाय नमः स्वाहा ॥
 मंदारं वंदे नमः स्वाहा ॥ वायुं किं नागं नागाय नमः स्वाहा ॥ उद्धव वंदे नमः स्वाहा ॥ धातु
 लुपि नमः स्वाहा ॥ धीय वंदे नमः स्वाहा ॥ संसृष्टं मायां किंचिदय नमः स्वाहा ॥ धीय
 लुपि नमः स्वाहा ॥ यं नागाय नमः स्वाहा ॥ उद्धव वंदे नमः स्वाहा ॥ यका लुपि नमः स्वाहा ॥
 दशमस्तोत्रम् ॥ वायुं वंदे नमः स्वाहा ॥ सिद्धिं नाथाय नमः स्वाहा ॥ यमाय नमः स्वाहा ॥
 मंदारं वंदे नमः स्वाहा ॥ वायुं किं नागं नागाय नमः स्वाहा ॥ उद्धव वंदे नमः स्वाहा ॥ धातु
 लुपि नमः स्वाहा ॥ धीय वंदे नमः स्वाहा ॥ संसृष्टं मायां किंचिदय नमः स्वाहा ॥ धीय
 लुपि नमः स्वाहा ॥ यं नागाय नमः स्वाहा ॥ उद्धव वंदे नमः स्वाहा ॥ यका लुपि नमः स्वाहा ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

हने २ वहु मा गानि वा नय २ गाय २ हा म २ छि २ हिं २ ना २ य २ गाय २ ख २ य २ द २
द २ हं २ द २ खा हा ॥ युकिगी नाम इत्या ॥ उं उ कि वि वि उ मा य ॥ मि तुं उ य २ ना २ य २ ॐ द वलि ग २
दि वा य खा मा थ ॥ उ २ हं २ द २ खा हा ॥ उ मा क क ही ॥ उं म २ व व ॥ नि मा य ॥ उं का मा का ल ॥ म २
ह २ ॥ दानि उ २ ह २ य २ ॥ म २ म २ ह २ य ॥ ख दा क न ॥ का इ का दि ह २ य २ का दि ॥ सि दि द २ ॥ ॐ द
व नि ॥ म २ २ यं २ मा दि ग दि क ॥ म २ २ म २ ना म य २ उं मा ल २ मा ल २ खा हा ॥ ३ ॥ व मा लि
का मा ॥ उं वि षा जि ॥ य न म व नी ॥ म २ य द ना धा नि ॥ म २ व मा ग नि वी र नि ॥ म २ ह २ य वि ना धा
नि ॥ ॐ द वलि ग २ २ म २ व २ य २ द २ ना ॥ मा म य २ हं २ द २ खा हा ॥ ॥ म २ य २ य २ य २ न

मा ॥ उं न म २ ग २ के वे छी उ २ म २ य २ ना य २ द वा २ उ २ न २ म २ ग २ य २ न क मा य ॥ म २ क २ म २ य २ दि
ना म २ य ॥ म २ म २ म २ म २ य २ ॥ म २ म २ म २ य २ ॥ म २ म २ म २ य २ ॥ ॐ द वलि ग २ २ म २ म २ य २ दि
प्रा न ह ने २ व हु मा गाय ॥ नि वा न य २ गाय २ हा म २ छि २ हिं २ ना २ य २ गाय २ ख २ य २ द २
हं २ द २ म २ व २ द २ म २ ला न न म २ व २ जि न का ह सिं क व हं २ द २ खा हा ॥ ॥ य २ व २ म ॥ उं म २ क २
म २ हा मा जा ॥ मा क या मा म ह वि का ग य वी र ग ना मा द ॥ म २ नि क २ ॥ ॐ हा ग क ॥ उ २ उ मा
न म २ न क य या य र्थ ॥ ॐ द वलि ग २ २ म २ व २ य २ द २ ना ॥ म २ य २ य २ य २ न

हृदं खोहा॥ दक्षिणा॥ उं विदुधका म हा ना जा था क या ना म ह धि काः कृ म हा अ म ग म म
धः क्षा निं कृ नू ॐ हा ग ग ज ज मा न म नू क य य र्थ ॐ दं व लि गृ कृ उ हृ उ यी व रु हृ थि मि
द व रु म ह र कृ नू हृ हृ हृ खोहा॥ य धि म हा॥ उं विदुधका म हा ना जा ला क या ना म ह धि का
ज मा म ग म म धं क्षा निं कृ नू ॐ हा ग ग ज ज मा न म नू क य य र्थः ॐ नू व नि गृ कृ उः हृ उं
उ यि व रुः हृ थि मि दः व रु म ह र कृ नू हृ हृ हृ खोहा॥ उ हृ न धा॥ उं कृ य म धी म हा ना म
क या ना म ह धि काः ज मा म ग म म धं क्षा निं कृ नू ॐ हा ग ग ज ज मा न म नू क य य र्थ ॐ
उ व नि गृ कृ उः हृ उः थि वं रु कृ थि मि दं मः व म ह रं व रु हृ हृ हृ खोहा॥ ग ह म

म हा॥ उं न मा ह ग व रं गृ ह मा कि का यः स र्व गृ ह न रू प ह य न म नी स व द व ना ग
ह य ना म निः ना जा था ना दि रिः गृ ह मा कि काः स र्व न रू प दि रिः लो घः श म कृ १ ॐ दं व
ए क १ म म वि धा ह न रू क्षा निं कृ नू य थिं कृ नू व सा कृ नू हृ हृ हृ खोहा॥ वृ थ लि ना म॥ उं
ज मां क का यः स रि य ना यं की कि वि क ना न ना य ना म ह र ना यः कृ था क वि म द न ह का यः स व म
वः व वि ना म ना यः ॐ दं व लि गृ कृ १ म म स र्व वि धाः ह न रू व रु न नि वा ल य रू हृ हृ हृ खोहा॥
दं म दं धा ना व रि म॥ उं शूः हं ना ग का ला मिः व रु सूर्य म म लः वृ थ वृ ह य कि धु क क्षा नि व ल
ना ह कं रुः ज मा दिः स य नि वा न थो द व ना ग ज कः गंध र्वा स रः ग रू क नि न रः म हा व मा दि

ॐ दं वलि गुरु र हं हट् स्वाहा ॥ स्तुतथाय ॥ ॐ ॐ शायनमः ॐ उमायनमः ॐ वरूनायनमः
 ॐ कृष्णायनमः ॐ ॐ क्षान्तायनमः ॐ श्रुत्यायनमः ॐ नेत्रकनमः ॐ वायव्ये नमः ॐ त्रिदायनमः ॐ
 शुभ्रायनमः ॐ वक्राननः ॐ वसुधायायनमः ॐ वामत्रिकिनमः स्वाहा ॥ सर्वहर्षा नमः
 रुद्राङ्गोद्दं हं हं हट् स्वाहा ॥ यंत्राः ॐ दादश्यामहा नाजा x सुमतश्च यः धामाः वृष्टिद्वज
 बाहनयुजाः कुम्भाहारकः ॐ नमः ॐ श्रीवज्रमालाय ॥ देवास्त्रमाः सर्वहरमसिद्धाः साक्षात्प
 रमाः के कयूननावशा गधर्वसिद्धाः गुरुजनपंचः यंकइष्टिरुमा निवर्मनीदिद्याः च
 कयूनानः युष्टिवृत्तप्रदं कुमाडनिविज्ञमनः यजामि मास्तुः सुयुक्तानैः सह

महामाया श्रीमन्महादेवस्य शिवाय नमः ॥ १ ॥

॥ ॐ नमः ॥

शिवमहादेवस्य शिवाय नमः ॥ २ ॥

॥ ॐ नमः ॥

शिवमहादेवस्य शिवाय नमः ॥ ३ ॥

॥ ॐ नमः ॥

शिवमहादेवस्य शिवाय नमः ॥ ४ ॥

॥ ॐ नमः ॥

शिवमहादेवस्य शिवाय नमः ॥ ५ ॥

॥ ॐ नमः ॥

शिवमहादेवस्य शिवाय नमः ॥ ६ ॥

॥ ॐ नमः ॥

वा आसं ओह के गम आत

[illegible]

इति नमो

हवनमाः यथा यामालमालकं कं कं का नलूयं च क किमधकिमंः नस्य हस्य किधुलंः दं दं दं इगवयं
 रुमकिवचकिमंः नस्य दं वस्य वयंः सं सं सं सं लु सिद्धिः सकल हय हलं सिद्धि वयं नमस्तुभं ॥ ३ ॥ उं
 उं उं का नलूयंः रुमकि उम उमाः उयमा ना रुमकंः कं कं कं काल भालिः धू धूलिक धूलिकंः धं धं मालिक
 मालिः धं धं धं धं मवक्षः रुवकि हवनमाः कालया शा वि धूलंः उं उं उं उं वयंः नमस्तु हलनं सिद्धि
 वयं नमस्तुभं ॥ ४ ॥ वं वं वं वं नय वृष्टंः वृष्टि ललकिमंः दि यडि द्वा क मालंः धं धं धं धं वयंः नमस्तु
 यवि उय वंः नलूयं कति नलूयंः सं सं सं सं कि जा कंः उ य रु वि उ य कंः शा कि सं हल कालिः दि
 रनादः रुमवकि वलदः सिद्धि वयं नमस्तुभं ॥ ५ ॥ इं का नलूयंः नमस्तु कि मयः

॥ उवखवः यस्मिन्नाहः श्रीः कक ककतागः उववकांशिः च हृमंदः खवखवः
अमंभुलः उवखवकालरुलसांः शिंथिनिः आथिनिः ॥ आथनंकावहलसाः
नागवाजाः रुउरुलसागनंभुः अत्रिनिरुलसाः रुगवविः ॥ आहानंः समवविधिह
मिवाश्याः उवः रुवसाः वक्राविकुगदध्वलः यं के का आरुवसांः यं वनथागः
माहलसांः वडमलः मरिहलसांः नडममावाः कृनिः रुलसांः आगवाधिः ॥
आनुः रुलसांः उगरुलः नलंरुलसांः मरिहलसांः रुविहलसांयागलः वाः श्रीः

मिदसममिहलंः रुकुलिहलसांः आमिहलः आमिहलसांः महंकालः कशिः
लसांः कृमालः उल्लिलाहलसांः थूसाः थमः रुलसांः महादेवः यवः रुलसांः
ववकिः उमनिहलसांः उगमावाः कालः रुलसांः धर्माः नावाः रुलसांः अधः ॥
अनथनः युकिमाः अथनयलनथुगुयलनः गलवविष्ठाकमाधायः निरुकायाः
वः याकवनिथयनिविष्ठाकमाः श्रवमात्रः कवमिथायालिनः आडकयः
कल्यकल्यः सुमाकल्यः ॥ ॥ थः यकिमाहलसांः रुनंकः श्रीः श्रदिनः

धरुः सुवर्णः उदा आदिनेः ददयकलः कल्पक ल्यसनायनेः गव
रुजमानः धानयादः विद्यायमानः नरुददवमाः धयमध्वलनखर
वलाकनेः नदायायमालः कुपिः अग्रिजलः वायवः पिथिमं धुलनेः अंगद
लदवमानः धमिदं वमानं लदायायमाल ॥ आवमं नृधिकादवाः आवकाल
धयलमं ध्वनखमाः नाः गलदं वनाके नववसुनयाविद्याकालः धिः
वम ॥ आवः गंगामहिकलः आवकालयिथिमडलं संगेगानरुवदवयल

काल ॥ ॥ धयमध्वनं खमाः ॥ ॥ नृधिकागगनेया उा आवकाल ॥ ॥
वदः सूर्यनः वसुलयाविद्याल्लयः नावकावः धयमध्वलनः धिदया
मावः दानयमिजजमानरुलसाः आवहादकदं नदायायमालः धमनदय
वनं वदायायमाल ॥ धिलरुवा ॥ ॥ ॥ उच्चिष्टवनि ४ गु वसुधुवः द
जायः धूययुजाकुमिः उं अ ४ रुं सर्वयदमादसः रुमथकयिसावालादः
किद्यादिमदिनायः सर्वविधायसा अर्थः ०० मं वलिग ३ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

वध २ हन २ दह २ य २ नू वि न म ल्या मा सादिः सर्वा य क ल न सादिः ॐ
व ल्यु य हा नः द द म ह व ड ध न श्रु ह्य य मि खो हा ॥ ७ ॥ सु वा ह मा धा ॥ वं
या ॥ श्रु ग्नादिः ॐ क के क ह न क र्द म हूं हूं हूं ॥ ० ॥ ने ल सः ॐ व व व ध न
हूं ॥ १ ॥ वा य ॥ ॐ व न व लु न व लु न हूं हूं हूं ॥ च धा न ॥ ॐ य य य
ह्य ॐ दं का र्था धा धयः दान य न र्वा वि धा य मा ल्य थः ॐ दं उ द्दि स व ल्या व न
नि कू र सा हा ॥ यं वा य हा ल यू जाः उ मि ॥ शाय डा ह नि द ह्य क ध्य व नू मा धा व

ह ल या व कः क या दा य ध्व ना न वि स ध ध मा व द्वा धु व र ह्य ॥ च ना वे द धा दि र्ग मि स ह
य मि स ह ग ॥ सा र स्य मा वा द य ॥ का धा रा य मि कि ल य नु ज ग मा वि धा य धा नं क्री वा ॥
क य न ॥ कृ ग हा य क ॥ द गु व वि वि यः वि स ज न ॥ श्रु यः लि शा य म ल्य वः गु
न ह्य यः दाल का या था सः सा स यि न धि नः च का य का नः न य ना ॥ धू मि र द्दि स व
मा लः य ह्य दिः सा मि का व नि ध र नः यं कृ ल हा या थ र नः का र्था या य दि
गं ध मा ल्या ४ धू र्यं व नि दी यं व निः वि वि य ह यः ग ह्य हूं हूं हूं ॥ २ ॥

[illegible][illegible]

नि ध्यान नूयाः नष्ट नूयाः काया विनी ॥ कम सा विन्यायः उपलगाय मर्हः ॥ की ॥ ५५ ॥
उद रुः धनक थाः ये कः ग कि नी म ह क च स र्वे क सा सा ध क ॥ आ ग म धु रं म हा द
गीः व डं ध्वनिः श्रु हा श्रु वा द न ॥ उं क क के ध नः व व वं ध नः व व वं द नः य य चा ट
य श्य न य नि ऊ ऊ मा न स्यः सा भा र ल स द्या भा का म ना र्थः सा नि ध्या नि कू र म हा व नि
य नि कू स्या हा ॥ ॐ ॥ ॥ उं न म ४ हा श्रु श्रु सा नि का यः नी र व र्ण स का स र्वे म ह
कं वि र कंः का म रू यि म हा द विः ३७ च लु न मा रु कं ॥ ॥ उं वि द्यु ह्य म

य वि न य वि ह्य नू या य नं न मः स र्व वि धि ह व द वः ग न य नि न म रु कं ॥
उं व द्वा य ति दं स मा र धा यि ना ग व या रु क शि नि य र्णा इ वि र म डा व व द्वा य ति न
रु कं ॥ ॥ उं मा हं ध्व नि रु क रू य स ना गी स्य सा स नि धि धू ल नि वि र म डा व
रू द वि न मा रु कं ॥ ॥ उं व मा नि म य ना रू धा ल का गा र क या स नि स र्वा
श्रान रू म श्र व का मा नि व न मा रु कं ॥ ॥ उं वि द्यु वि ना ड मा रू धा ह नि गी द वा स
ने ग रु क वि र म डा व वि द्यु वि व न मा रु कं ॥ ॥ उं वा ना हि म हि ज्वा रू धा न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 अथ श्री कृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

१ मि उवा २

ॐ धर्मद्विगुणस्य नमो भूवमना॥

॥ श्रीविशिष्टः ॥ ६५ ॥ ५॥ ६॥

[illegible]

३३

[illegible]

सुखं सुखं न मावविध्यतयाया॥

॥ शक्ति सिद्धिः न केः ॥

शुभं जानः प्रिरुवनसः सकं न मावव्यायः अथ नः निरुवनसः हः ॥

याः लजानः सुयः थसंशानः सुन्य थकाधकेन॥

॥ जानमकु नमा ॥

कया नमा नालं कुतं ट सुयनः अधवनुनधाविनः विध्ववउकानमोविन॥

शक्ति सिद्धिः न केः थयं चक थागन सहितं नः सकं नमा यावविद्या नः हन केः

वंडाः सिव हा नवनः सिव सनया वः विद्या नः अधवदसि व सनया वः विद्या

सुखं सुखं न मावविध्यतयाया॥

॥ दिक् सु न ड ह क ट रि व नः ॥

दिनमोरिका॥

॥ शक्ति सिद्धिः न केः थयं चक थागन सहितं नः सकं नमा यावविद्या नः हन केः

सुयं चक थागनः सकं नमा यावविद्या नः हा नवनसि व सः कवननया वः हन केः

अधवचुऊकसयावः विध्ववउकसयालकयाजः विद्या नः॥

॥ विरु ह ॥

दगाक मरि वन हवग नादि व सोका॥

॥ हन के थयं चक थागन सहितं नः सकं नमा यावविद्या नः हन केः

ह वी कः सु ह न कि नावः वा थ ड दयका वविद्या नः हन केः

गुप्तं न वक्तुं यादावविष्णुः ॥

॥ सप्तमधनमसि ॥

॥ अशिक्षितः थः यत्नमध्वनः सचिः याग्यनः नलसिन्मानकायायावः वि
वकिस्वकदरनः सुयावः कसयनसः कथितं कयायावः विष्णुः अचिदात्मनः
॥ थयिद्रुयनमध्वनः चक्रसर्वे ॥

॥ सिधामानिहृदिनेः अहोर्था ॥

॥ अशिक्षितः थयनमध्वनधीचक्रसर्वे ॥ अविंकाविबंधयादावविष्णुः ॥
वज्रवावाहिः अविंगनायादावः महावसलंगनविष्णुः ॥ थयनमध्वनः ॥

ASHA ARCHIVES 3618

अथ यानां न सवयुहदिनावविष्णुः थयमध्वनः अग्निसमस्तः नृकनं
मज्जितः हनकंः अविः योपुहदावः सरुदंनयावविष्णुः हनंः वनयावः
नंः संयूनवाकः थयनमध्वनः धीचक्रसर्वे ॥ वज्रवावाहिः यनमध्वनः
दादवसनमैदूयायमदः अविनिदमसनयायदन ॥ सायसुहानकः
अथमानः हथीकसंः सुविः यननावः मकिरुयमान ॥ दक्षानयमानः
पदिनायकः गुप्तमध्वनदक ॥ यं नारेकविय ॥ ॐ ॥

ॐ